# प्रधान मंत्री श्री नरेद्र मोदी के मन की बात (26 जनवरी 2020)

**मुख्य अंश**

साथियो, दिन बदलते हैं, हफ्ते बदल जाते हैं, महीने भी बदलते हैं, साल बदल जाते हैं, लेकिन, भारत के लोगों का उत्साह और हम भी कुछ कम नहीं हैं, हम भी कुछ करके रहेंगे. 'Can do', ये 'Can do' का भाव, संकल्प बनता हुआ उभर रहा है. देश और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की भावना, हर दिन, पहले से अधिक मजबूत होती जाती है.

- 'किसी ने करके दिखाया है'-तो क्या हम भी कर सकते हैं? क्या उस प्रयोग को पूरे देश-भर में दोहराकर एक बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं? क्या उसको, समाज के एक सहज आदत के रूप में विकसित कर, उस परिवर्तन को, स्थायी कर सकते हैं? ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब खोजते-खोजते, हर महीने 'मन की बात' में, कुछ appeal, कुछ आह्वाहन, कुछ कर दिखाने के संकल्पों का सिलसिला चल पड़ता है. पिछले कई सालो में हमने कई छोटे-छोटे संकल्प लिये होंगे. जैसे -'No to single use plastic', 'खादी' और 'local खरीदने' की बात हो, स्वच्छता की बात हो, बेटियों का सम्मान और गर्व की चर्चा हो, less cash Economy का ये नया पहलू - उसको बल देना हो. ऐसे ढ़ेर सारे संकल्पों का जन्म हमारी इन हल्की-फुल्की मन की बातों से हुआ है. और, उसे बल भी आप ही लोगों ने दिया है.
- स्वच्छता के बाद जन-भागीदारी की भावना, participative spirit, आज एक और क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है और वह है 'जल संरक्षण'. 'जल संरक्षण' के लिए कई व्यापक और innovative प्रयास देश के हर कोने में चल रहे हैं. मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि पिछले मानसून के समय शुरू किया गया ये 'जल-शक्ति अभियान' जन-भागीदारी से अत्यधिक सफलता की ओर आगे बढ़ रहा है. बड़ी संख्या में तालाबों, पोखरों आदि का निर्माण किया गया. सबसे बड़ी बात ये है, कि इस अभियान में, समाज के हर तबके के लोगों ने, अपना योगदान दिया. अब, राजस्थान के झालोर जिले को ही देख लीजिये उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा - हल्द्वानी हाइवे से सटे 'सुनियाकोट गांव' से भी जन-भागीदारी का एक ऐसा ही उदाहरण सामने आया है.
- मेरे युवा साथियों, आज 'मन की बात' के माध्यम से, मैं असम की सरकार और असम के लोगों को 'खेलो इण्डिया' की शानदार मेज़बानी के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं. साथियो, 22 जनवरी को ही गुवाहाटी में तीसरे 'खेलो इंडिया Games'का समापन हुआ है. इसमें विभिन्न राज्यों के लगभग 6 हज़ार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि खेलों के इस महोत्सव के अंदर 80 Record टूटे और मुझे गर्व है कि जिनमें से 56 Record तोड़ने का काम हमारी बेटियों ने

किया है. ये सिद्धि, बेटियों के नाम हुई है. मैं सभी विजेताओं के साथ, इसमें हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देता हूं. साथ ही 'खेलो इंडिया Games' के सफल आयोजन के लिए इससे जुड़े सभी लोगों, प्रशिक्षकों और तकनीकी अधिकारियों का आभार व्यक्त करता हूं.

- यह हम सबके लिये बहुत ही सुखद है, कि साल-दर-साल 'खेलो इंडिया Games' में खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ रही है. यह बताता है कि स्कूली स्तर पर बच्चों मे Sports के प्रति झुकाव कितना बढ़ रहा है. मैं आपको बताना चाहता हूं, कि 2018 में, जब 'खेलो इंडिया Games' की शुरुआत हुई थी, तब इसमें पैंतीस-सौ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, लेकिन महज़ तीन वर्षों में खिलाड़ियों की संख्या 6 हज़ार से अधिक हो गई है, यानि क़रीब-क़रीब दोगुनी. इतना ही नहीं, सिर्फ तीन वर्षों में 'खेलो इंडिया Games' के माध्यम से, बत्तीस-सौ प्रतिभाशाली बच्चे उभर कर सामने आये हैं. इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जो अभाव और ग़रीबी के बीच पले-बढ़े हैं. 'खेलो इंडिया Games' में शामिल होने वाले बच्चों और उनके माता-पिता के धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानियां ऐसी हैं जो हर हिन्दुस्तानी को प्रेरणा देंगी. अब गुवाहाटी की पूर्णिमा मंडल को ही ले लीजिये, वो खुद गुवाहाटी नगर निगम में एक सफाई कर्मचारी हैं, लेकिन उनकी बेटी मालविका ने जहां फुटबॉल में दम दिखाया, वहीं उनके एक बेटे सुजीत ने खो-खो में, तो दूसरे बेटे प्रदीप ने, हॉकी में असम का प्रतिनिधित्व किया. कुछ ऐसी ही गर्व से भर देने वाली कहानी तमिलनाडु के योगानंथन की है. वह खुद तो तमिलनाडु में बीड़ी बनाने का कार्य करते है, लेकिन उनकी बेटी पुर्णाश्री ने Weight Lifting का गोल्ड मेडल हासिल कर हर किसी का दिल जीत लिया.
- मेरे प्यारे देशवासियो, exam का season आ चुका है, तो जाहिर है सभी विद्यार्थी अपनी-अपनी तैयारियों का आखिरी shape देने में जुटे होंगे. देश के करोड़ो विद्यार्थी साथियों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' के अनुभव के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देश का युवा आत्म-विश्वास से भरा हुआ है और हर चुनौती के लिए तैयार है.
- साथियो, एक ओर परीक्षाएं और दूसरी ओर सर्दी का मौसम. इस दोनों के बीच मेरा आग्रह है कि खुद को fit जरूर रखें. थोड़ी बहुत exercise जरूर करें, थोड़ा खेलें, कूदें. खेल-कूद Fit रहने का मूल मंत्र है. वैसे, मैं इन दिनों देखता हूं कि 'Fit India' को लेकर कई सारे events होते हैं. 18 जनवरी को युवाओं ने देशभर में cyclothon का आयोजन किया. जिसमें शामिल लाखों देशवासियों ने fitness का संदेश दिया. हमारा New India पूरी तरह से Fit रहे इसके लिए हर स्तर पर जो प्रयास देखने को मिल रहे हैं वे जोश और उत्साह से भर देने वाले हैं. पिछले साल नवम्बर में शुरू हुई 'फिट इंडिया स्कूल' की मुहीम भी अब रंग ला रही है. मुझे बताया गया है कि अब तक 65000 से ज्यादा स्कूलों ने online registration करके 'फिट इंडिया स्कूल' certificate प्राप्त किया है.
- दिल्ली में, एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किये गए. इसके साथ ही, लगभग 25 वर्ष पुरानी ब्रू-रियांग (Bru-Reang) refugee crisis, एक दर्दनाक chapter, का अंत हुआ हमेशा- हमेशा के लिए समाप्त हो गयी.
- North-East में insurgency बहुत-एक मात्रा में कम हुई है और इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस क्षेत्र से जुड़े हर एक मुद्दे को शांति के साथ, ईमानदारी से, चर्चा करके सुलझाया जा रहा है. देश के किसी भी कोने में अब भी हिंसा और हथियार के बल पर समस्याओं का समाधान खोज रहे लोगों से आज, इस गणतंत्र-दिवस के पवित्र अवसर पर अपील करता हूं कि वे वापस लौट आएं. मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने में, अपनी और इस देश की क्षमताओं पर भरोसा रखें. हम इक्कीसवीं सदी में हैं, जो ज्ञान-विज्ञान और लोक-तंत्र का युग है. क्या आपने किसी ऐसी जगह के बारे में सुना है जहां हिंसा से जीवन बेहतर हुआ हो? क्या आपने ऐसी किसी जगह के बारे में सुना है, जहां शांति और सद्भाव जीवन के लिए मुसीबत बने हों?
- मेरे प्यारे देशवासियों, आज गणतंत्र-दिवस के पावन अवसर पर मुझे 'गगनयान' के बारे में बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है. साथियो, आपको पता ही होगा इस मिशन में astronaut यानी अंतरिक्ष यात्री के लिए 4 उम्मीदवारों का चयन कर लिया गया है. ये चारों युवा भारतीय वायु-सेना के पायलट हैं. ये होनहार युवा, भारत के कौशल, प्रतिभा, क्षमता, साहस और सपनों के प्रतीक हैं. आज गणतंत्र दिवस के शुभ-अवसर पर इन चारों युवाओं और इस मिशन से जुड़े भारत और रूस के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों को मैं बधाई देता हूं. **(पसूका)**